Bhishma School of Indian Knowledge System

MA Course

संस्कृतभाषा परिचय

Lecture 11 - 30.10.2023

- Harshada Sawarkar

sawarkar.harshada123@gmail.com

पुँल्लिङ्गम्

| ए | ф | q | ᅵ | 7 |
|---|---|---|---|---|

सः _____ अस्ति / भवति / वर्तते। (वृक्ष, गज, काक, बाल, छात्र, द्वारपाल, पर्वत, वयस्य, खग, अभ्यागत) एषः अस्ति / भवति / वर्तते। (वृक्ष, गज, काक, बाल, छात्र, द्वारपाल, पर्वत, वयस्य, खग, अभ्यागत)

द्विवचन

तौ _____ स्तः / भवतः / वर्तेते। (याचक, मेघ, व्याध, अतिथि, सज्जन, तापस, अध्यापक, सिंह, व्याघ्र, पथिक) एतौ _____ स्तः / भवतः / वर्तेते। (याचक, मेघ, व्याध, अतिथि, सज्जन, तापस, अध्यापक, सिंह, व्याघ्र, पथिक)

बहुवचन

ते _____ सन्ति / भवन्ति / वर्तन्ते। (काक, बाल, छात्र, द्वारपाल, पर्वत, वयस्य, अतिथि, सज्जन, तापस, अध्यापक) एते _____ सन्ति / भवन्ति / वर्तन्ते। (काक, बाल, छात्र, द्वारपाल, पर्वत, वयस्य, अतिथि, सज्जन, तापस, अध्यापक)

स्त्रीलिङ्गम्

| Ų | क | q | d | 1 |
|---|---|---|---|---|

सा _____ अस्ति / भवति / वर्तते। (लतिका, बाला, कविता, ललना, छात्रा, द्वारपालिका, नदी, सखी, चटका, कोकिला) एषा _____ अस्ति / भवति / वर्तते। (लतिका, बाला, कविता, ललना, छात्रा, द्वारपालिका, नदी, सखी, चटका, कोकिला)

द्विवचन

ते _____ स्तः / भवतः / वर्तेते। (लेखिका, गायिका, गृहिणी, दिग्दर्शिका, अध्यापिका, प्राचार्या, भगिनी, विधिज्ञा, तन्त्रज्ञा, कलाशिक्षिका)

एते _____ स्तः / भवतः / वर्तेते। (लेखिका, गायिका, गृहिणी, दिग्दर्शिका, अध्यापिका, प्राचार्या, भगिनी, विधिज्ञा, तन्त्रज्ञा, कलाशिक्षिका)

बहुवचन

ता: _____ सन्ति / भवन्ति / वर्तन्ते। (कथा, कलिका, देवता, नायिका, तारका, नाटिका, गुटिका, कला, दासी, नगरी) एता: _____ सन्ति / भवन्ति / वर्तन्ते। (कथा, कलिका, देवता, नायिका, तारका, नाटिका, गुटिका, कला, दासी, नगरी)

नपुंसकलिङ्गम्

एकवचन

तत् _____ अस्ति / भवति / वर्तते। (वन, उपवन, कङ्कण, कमल, काष्ठ, कुटुम्ब, पुस्तक, पर्ण, भुवन, फल)

एतत् अस्ति / भवति / वर्तते। (वन, उपवन, कङ्कण, कमल, काष्ठ, कुटुम्ब, पुस्तक, पर्ण, भुवन, फल)

द्विवचन

ते _____ स्तः / भवतः / वर्तेते। (गृह, चक्र, वचन, नगर, यन्त्र, वस्त्र, मौक्तिक, स्थान, कार्य, शास्त्र)

एते _____ स्तः / भवतः / वर्तेते। (गृह, चक्र, वचन, नगर, यन्त्र, वस्त्र, मौक्तिक, स्थान, कार्य, शास्त्र)

बहुवचन

तानि _____ सन्ति / भवन्ति / वर्तन्ते। (कङ्कण, कमल, काष्ठ, कुटुम्ब, पुस्तक, मौक्तिक, स्थान, कार्य, शास्त्र, चक्र) एतानि _____ सन्ति / भवन्ति / वर्तन्ते। (कङ्कण, कमल, काष्ठ, कुटुम्ब, पुस्तक, मौक्तिक, स्थान, कार्य, शास्त्र, चक्र)

भानु – उकारान्त पुंलिंगी (साधु, विष्णु)

| Singular एकवचन | Dual द्विवचन | Plural बहुवचन | Case विभक्ति |
|-------------------|-----------------|------------------|---------------------|
| भानु: | भानू | भानव: | Nominative प्रथमा |
| भानुम् | भानू | भानून् | Accusative द्वितीया |
| भानुना | भानुभ्याम् | भानुभि: | Instrumental तृतीया |
| भानवे | भानुभ्याम् | भानुभ्य: | Dative चतुर्थी |
| भानो: | भानुभ्याम् | भानुभ्य: | Ablative पञ्चमी |
| भानो: | भान्वो: | भानूनाम् | Genitive षष्ठी |
| भानौ | भान्वो: | भानुषु | Locative सप्तमी |
| हे भानो | हे भानू | हे भानव: | Vocative संबोधन |

धेनु – उकारान्त स्त्रीलिंगी (तनु, रज्जु)

| Singular एकवचन | Dual द्विवचन | Plural बहुवचन | Case विभक्ति |
|-------------------|-----------------|------------------|---------------------|
| धेनु: | धेनू | धेनव: | Nominative प्रथमा |
| धेनुम् | धेनू | धेनू: | Accusative द्वितीया |
| धेन्वा | धेनुभ्याम् | धेनुभि: | Instrumental तृतीया |
| धेन्वै, धेनवे | धेनुभ्याम् | धेनुभ्य: | Dative चतुर्थी |
| धेन्वा:, धेनो: | धेनुभ्याम् | धेनुभ्य: | Ablative पञ्चमी |
| धेन्वा:, धेनो: | धेन्वो: | धेनूनाम् | Genitive षष्ठी |
| धेन्वाम्, धेनौ | धेन्वो: | धेनुषु | Locative सप्तमी |
| हे धेनो | हे धेनू | हे धेनव: | Vocative संबोधन |

मधु – उकारान्त नपुंसकलिंगी (अम्बु, दारु)

| Singular एकवचन | Dual द्विवचन | Plural बहुवचन | Case विभक्ति |
|-------------------|-----------------|------------------|---------------------|
| मधु | मधुनी | मधूनि | Nominative प्रथमा |
| मधु | मधुनी | मधूनि | Accusative द्वितीया |
| मधुना | मधुभ्याम् | मधुभि: | Instrumental तृतीया |
| मधुने | मधुभ्याम् | मधुभ्य: | Dative चतुर्थी |
| मधुन: | मधुभ्याम् | मधुभ्य: | Ablative पञ्चमी |
| मधुन: | मधुनो: | मधूनाम् | Genitive षष्ठी |
| मधुनि | मधुनो: | मधुषु | Locative सप्तमी |
| हे मधो, हे मधु | हे मधुनी | हे मधूनि | Vocative संबोधन |

वधू – ऊकारान्त स्त्रीलिंगी (चमू, चञ्चू)

| Singular एकवचन | Dual द्विवचन | Plural बहुवचन | Case विभक्ति |
|-------------------|-----------------|------------------|---------------------|
| वधू: | वध्वौ | वध्व: | Nominative प्रथमा |
| वधूम् | वध्वौ | वधू: | Accusative द्वितीया |
| वध्वा | वधूभ्याम् | वधूभि: | Instrumental तृतीया |
| वध्वै | वधूभ्याम् | वधूभ्य: | Dative चतुर्थी |
| वध्वा: | वधूभ्याम् | वधूभ्य: | Ablative पञ्चमी |
| वध्वा: | वध्वो: | वधूनाम् | Genitive षष्ठी |
| वध्वाम् | वध्वो: | वधूषु | Locative सप्तमी |
| हे वधु | हे वध्वौ | हे वध्व: | Vocative संबोधन |

Verbs - क्रियापदाभ्यास:

क्रियापद क्या है?

एक ऐसा शब्द जो वाक्य के अर्थ को पूर्णत्व देता है।

क्रियापद क्रिया दर्शाता है और वाक्य का अर्थ क्रिया के विना पूर्ण नही होता।

संस्कृत में क्रिया दर्शानेवाले पद को क्रियापद कहते हैं। क्रिया - कार्य, पद -

प्रत्यययुक्त शब्द

जैसा हमने पहले कहा, हम वाक्यों में पदों का उपयोग करते हैं, क्योंकि उनके विना

केवल शब्द वाक्य का अर्थ पूर्ण नही कर सकते।

क्या हम इन शब्दोंसे अर्थ जान सकते हैं?

कृषीवल क्षेत्र गच्छ्। कृषीवल हल क्षेत्र कृष्।

लेकिन इन वाक्यों से योग्य अर्थ पता चलता है।

कृषीवल: क्षेत्रं गच्छति। कृषीवल: हलेन क्षेत्रं कृषति।

क्रियापद के मूल शब्द को कहते हैं - धातु।

धात् को जब प्रत्यय लगाए जाते हैं, तब मिलता है क्रियापद।

पठ + ति - पठति

नृत्य + ति - नृत्यति

वद + ति - वदति

लिख + ति - लिखति

क्रियापद का स्वरूप कर्ता के स्वरूप पर निर्भर करता है। जैसे - कर्ता का वचन और पुरुष अगर बदल जाता

है तो क्रियापद का भी वचन और पुरुष बदल जाता है।

उदाहरणार्थ –

बालक: पठित । बालको पठत: ।

बालका: पठन्ति ।

त्वं पठिस ।

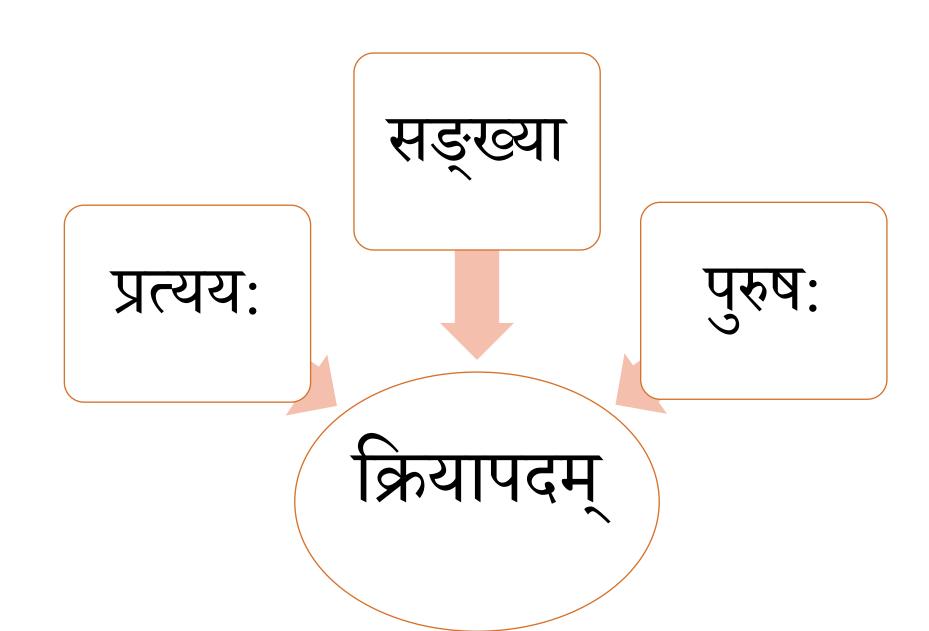
युवां पठथ:।

यूयं पठथ।

अहं पठामि।

आवां पठाव:।

वयं पठाम:।



| Third Person Subjects | All other than first and second |
|------------------------|------------------------------------|
| प्रथम: पुरुष: | स:, सा, तद् and all other subjects |
| Second Person Subjects | You, You both, You all |
| मध्यमः पुरुषः | त्वम्, युवाम्, यूयम् |
| First Person Subjects | I, We both, We all |
| उत्तमः पुरुषः | अहम्, आवाम्, वयम् |

क्रियापदाभ्यास:

| एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् | पुरुष: |
|----------------|-----------------|-------------------|---------------|
| | | | |
| गोपाल: गच्छति। | गोपालौ गच्छत:। | गोपाला: गच्छन्ति। | प्रथम: पुरुष: |
| Gopala goes. | Two Gopalas go. | Many Gopalas go. | Third Person |
| त्वं गच्छसि। | युवां गच्छथ:। | यूयं गच्छथ। | मध्यमः पुरुषः |
| You go. | You both go. | You all go. | Second Person |
| अहं गच्छामि। | आवां गच्छाव:। | वयं गच्छाम:। | उत्तम: पुरुष: |
| I go. | We both go. | We all go. | First Person |

क्रियापदाभ्यासः - परस्मैपदम्

| एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् | पुरुष: |
|---------------|-----------------|------------------|---------------|
| | | | |
| बाला पठित । | बाले पठत:। | बाला: पठन्ति । | प्रथम: पुरुष: |
| A Girl reads. | Two Girls read. | Many Girls read. | Third Person |
| | | | |
| त्वं पठिस । | युवां पठथ:। | यूयं पठथ। | मध्यम: पुरुष: |
| You read. | You both read. | You all read. | Second Person |
| | | | |
| अहं पठामि। | आवां पठाव:। | वयं पठाम:। | उत्तम: पुरुष: |
| I read. | We both read. | We all read. | First Person |
| | | | |

क्रियापदाभ्यासः - वर्तमानकालीनाः परस्मैपदिनाः धातुप्रत्ययाः

How to form a verbal form? क्रियापद कैसे बनता है?

Root + Conjugational Sign + Suffix = Verb

धातु + विकरणप्रत्यय + प्रत्यय = क्रियापद

पठ् + अ + ति = पठित

क्रियापदाभ्यास: - वर्तमानकालीना: परस्मैपदिना: धातुप्रत्यया:

धातुओं को १० गणों में विभक्त किया गया है। उन्हें विकरण कहते हैं। यह विकरण १ से लेकर १० तक हैं।

हर विकरण का अपना एक चिह्न होता है।

धातुओं के विकरणों के आधार पर उनके फिर दो समूह बनते हैं -

समूह १ - १, ४, ६, १०

समूह २ - २, ३, ५, ७, ८, ९

क्रियापदाभ्यास: - वर्तमानकालीना: परस्मैपदिना: धातुप्रत्यया: समूह १

| Group | Conjugational Sign | Formation | Final Form |
|-------|-----------------------|---------------|------------|
| 1 | अ | वद् + अ + ति | वदति |
| 4 | य | नृत् + य + ति | नृत्यति |
| 6 | अ | लिख् + अ + ति | लिखति |
| 10 | अय | कथ् + अय + ति | कथयति |

क्रियापदाभ्यासः - वर्तमानकालीनाः धातुप्रत्ययाः

धातुओं को लगनेवाले प्रत्यय भी दो भागों में विभक्त होते हैं -

१. परस्मैपद

२. आत्मनेपद

कुछ धातू ऐसे हैं जो, दोनों पदों के प्रत्यय लेते हैं, उन्हें उभयपदी कहते हैं।

क्रियापदाभ्यासः - वर्तमानकालीनाः परस्मैपदिनः धातुप्रत्ययाः

| एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् | पुरुष: |
|---------|-----------|------------|--------------------------------|
| ति | त: | अन्ति | प्रथम: पुरुष: Third Person |
| सि | थ: | थ | मध्यमः पुरुषः Second Person |
| मि | ব: | म : | उत्तमः पुरुषः First Person |

क्रियापदाभ्यास: - वर्तमानकालीना: परस्मैपदिना: धातव: - Group 1

| Group | Roots |
|-------|--|
| 1 | पठ्, वद्, वप्, धाव्, चल्, क्रीड्, खाद्, खेल्, गच्छ्, गाय्, चर्, जल्प्, यच्छ्, दह्, नम्, पत्, पिब्, नय्, निन्द्, भज्, भ्रम्, रक्ष्, भव्, हस् |
| 4 | अस्, कुप्, कुध्, तुष्, नश्, नृत्, पुष्, सिध्, स्निह्, हृष् |
| 6 | लिख्, कृष्, क्षिप्, दिश्, पृच्छ्, मुञ्च्, विन्द्, विश्, स्पृश्, सिञ्च् |
| 10 | कथ्, पूज्, गण्, चिन्त्, चोर्, ताड्, दण्ड्, क्षल्, भक्ष्, भूष्, रच्, वर्ण्, पीड् |

तद् – पुँल्लिंगी - तृतीयपुरुषी सर्वनाम

| Singular एकवचन | Dual द्विवचन | Plural बहुवचन | Case विभक्ति |
|-------------------|-----------------|------------------|---------------------|
| स: | तौ | ते | Nominative प्रथमा |
| तम् | तौ | तान् | Accusative द्वितीया |
| तेन | ताभ्याम् | तै: | Instrumental तृतीया |
| तस्मै | ताभ्याम् | तेभ्य: | Dative चतुर्थी |
| तस्मात् | ताभ्याम् | तेभ्य: | Ablative पञ्चमी |
| तस्य | तयो: | तेषाम् | Genitive षष्ठी |
| तस्मिन् | तयो: | तेषु | Locative सप्तमी |

तद् – स्त्रीलिंगी - तृतीयपुरुषी सर्वनाम

| Singular एकवचन | Dual द्विवचन | Plural बहुवचन | Case विभक्ति |
|-------------------|-----------------|------------------|---------------------|
| सा | ते | ता: | Nominative प्रथमा |
| ताम् | ते | ता: | Accusative द्वितीया |
| तया | ताभ्याम् | ताभि: | Instrumental तृतीया |
| तस्यै | ताभ्याम् | ताभ्य: | Dative चतुर्थी |
| तस्या: | ताभ्याम् | ताभ्य: | Ablative पञ्चमी |
| तस्या: | तयो: | तासाम् | Genitive षष्ठी |
| तस्याम् | तयो: | तासु | Locative सप्तमी |

तद् – नपुंसकलिंगी - तृतीयपुरुषी सर्वनाम

| Singular एकवचन | Dual द्विवचन | Plural बहुवचन | Case विभक्ति |
|-------------------|-----------------|------------------|---------------------|
| तत् | ते | तानि | Nominative प्रथमा |
| तत् | ते | तानि | Accusative द्वितीया |
| तेन | ताभ्याम् | तै: | Instrumental तृतीया |
| तस्मै | ताभ्याम् | तेभ्य: | Dative चतुर्थी |
| तस्मात् | ताभ्याम् | तेभ्य: | Ablative पञ्चमी |
| तस्य | तयो: | तेषाम् | Genitive षष्ठी |
| तस्मिन् | तयो: | तेषु | Locative सप्तमी |

एतद् – पुँल्लिंगी – दर्शक सर्वनाम

| Singular एकवचन | Dual द्विवचन | Plural बहुवचन | Case विभक्ति |
|-------------------|-----------------|------------------|---------------------|
| एष: | एतौ | एते | Nominative प्रथमा |
| एतम् - एनम् | एतौ - एनौ | एतान् - एनान् | Accusative द्वितीया |
| एतेन | एताभ्याम् | एतै: | Instrumental तृतीया |
| एतस्मै | एताभ्याम् | एतेभ्य: | Dative चतुर्थी |
| एतस्मात् | एताभ्याम् | एतेभ्य: | Ablative पञ्चमी |
| एतस्य | एतयो: - एनयो: | एतेषाम् | Genitive षष्ठी |
| एतस्मिन् | एतयो: - एनयो: | एतेषु | Locative सप्तमी |

एतद् – स्त्रीलिंगी - दर्शक सर्वनाम

| Singular एकवचन | Dual द्विवचन | Plural बहुवचन | Case विभक्ति |
|-------------------|-----------------|------------------|---------------------|
| एषा | एते | एता: | Nominative प्रथमा |
| एताम् - एनाम् | एते - एने | एता: - एना: | Accusative द्वितीया |
| एतया | एताभ्याम् | एताभि: | Instrumental तृतीया |
| एतस्यै | एताभ्याम् | एताभ्य: | Dative चतुर्थी |
| एतस्या: | एताभ्याम् | एताभ्य: | Ablative पञ्चमी |
| एतस्या: | एतयो: - एनयो: | एतासाम् | Genitive षष्ठी |
| एतस्याम् | एतयो: - एनयो: | एतासु | Locative सप्तमी |

एतद् – नपुंसकलिंगी - दर्शक सर्वनाम

| Singular एकवचन | Dual द्विवचन | Plural बहुवचन | Case विभक्ति |
|----------------------------|-----------------|------------------|---------------------|
| एतत् - एतद् | एते | एतानि | Nominative प्रथमा |
| एतत् – एतद् एनत् – एनद् | एते - एने | एतानि - एनानि | Accusative द्वितीया |
| एतेन | एताभ्याम् | एतै: | Instrumental तृतीया |
| एतस्मै | एताभ्याम् | एतेभ्य: | Dative चतुर्थी |
| एतस्मात् | एताभ्याम् | एतेभ्य: | Ablative पञ्चमी |
| एतस्य | एतयो: - एनयो: | एतेषाम् | Genitive षष्ठी |
| एतस्मिन् | एतयो: - एनयो: | एतेषु | Locative सप्तमी |